CME Programme conference and academy activities

1 . **Trauma Centre has been selected for centre of excellence in trauma care facilities and model centre for Basic Life Support (BLS) with collaboration of WHO, AIIMES New Delhi and Road safety Department of Rajasthan.**

2. **Workshop Conducted by WHO, AIIMS, Department of Orthopaedics Trauma Centre, Road safety cell Government of Rajasthan**.

    1. 28-29 January 2018 -**Triage Protocol Training programme** for Doctors and Nursing staff of Bikaner Division and Bikaner to ShriDungargarh has been selected for Modal Corridor
    2. 29 January 2018- **Stack Holding meeting for road safety programme** conducted, in which all five stack holder participated from Bikaner Division.
    3. **Arthroscopy workshop** conducted 16 February 2018 ACL Reconstruction by Using using autologous peroneus longus tendon

3. **CME Programmes :**

    1. 02-4-2018-Clinical Outcome of Congenital Talipes Equino - Varus Deformity of Foot Treated by Ponseti Technique.
    2. 20-4-2018 -Fixation Technique of Proximal Humers Fractures and its Complications.

4. **Research Projects:** (Accepted)

    1. Research project plan titled as “a comparative Evaluation of clinical efficacy between autologos platelet rich plasma injection and Hyaluronic Acid injection in Mild to moderate osteoarthritis Knee”

5. **Our New Project in Pipeline:**

    2. Clinical Study to Evaluate Efficacy of Platelet-rich Plasma for Chronic Tennis Elbow: A Double-blind, Prospective.
    3. Clinical Study of ACL Reconstruction Using bio degradable screw.
    4. Clinical Study of Supra-condylar Fracture of the Humerus in Children Managed by closed and precutaneous pinning with kirschner’s wire.
    5. Clinical Study of idiopathic CTEV Mananged by Ligamentotaxis b using JESS.
    6. Clinical and radiological outcome of unstable fracture of distal end radius fixed with JESS fixater.

7. Clinical Study Of Management Of Idiopathic Clubfoot By Ponseti Method
8. Functional outcome of arthroscopic reconstruction of anterior cruciate ligament tear using autologous peroneus longus tendon and its effect on ankle stability”
9. Clinical and radiologicaloutcome of distal femur fracture treated with locking compression plate.
10 Functional And Radiological Assessment Of Unstable Intertrochanteric Fracture Femur Treated With PFNA - II .
11 Prospective Study Of Functional Outcome Of Tibial Condylar Fractures Treated with Locking Compression Plates.

6. **Research work going on :**

1. AC Joint reconstruction
2. Tendo Achieles reconstruction with transfer FHL
3. Fixation of Trimalleolar fracture by burrerus Plate.
4. Thresar injury evaluation & management.
5. Casualties during cutting Sangari.(in North Rajasthan)

INTEGRATION OF EMERGENCY AND TRAUMA CARE SYSTEM IN HEALTH CARE
12th-13th December 2017
New Delhi

कानेर सिटीजन

सिटीजन 05

हीना को स्वर्ण, मुक्केबाजी में 5 पदक पक्के

स्पोर्ट्स 16

मौसम का मिजाज़

सूर्यास्त आज शाम 07:00 बजे | चन्द्रोदय आज तड़के 03:24 बजे
सूर्योदय कल सुबह 06:15 बजे | चन्द्रास्त आज दोपहर 02:38 बजे

आंशिक बादल छाए रहेंगे। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी संभव।

तापमान अधिकतम 37.3°C न्यूनतम 29.5°C

राजस्थान पत्रिका . बीकानेर . बुधवार . 11.04.2018 . पेज 02 . rajasthanpatrika.com

पीबीएम अस्पताल...

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तरफ बढ़े कदम, नई गणवेश में दिखेंगे ट्रोमा के चिकित्सक

पत्रिका डे-स्पेशल बुध की सुध

डॉक्टर व नर्सेज के लिए नीली ड्रेस तय

मरीजों का श्रेणीवार किया जाएगा इलाज

जयप्रकाश महलोत
rajasthanpatrika.com

बीकानेर. पीबीएम अस्पताल से संबद्ध चुन्नीलाल सोमानी राजकीय ट्रोमा सेंटर में अब व्यस्था में बदलाव होगा। यहां मरीजों-परिजनों को बेहतर वातावरण मिलेगा। चिकित्सकों से लेकर नर्सिंग स्टाफ व वार्ड बॉय तक नई गणवेश में नजर आएंगे। उपचार की व्यवस्था में भी बदलाव होगा।

सेमिनार में हुई थी घोषणा

ट्रोमा सेंटर को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाने की घोषणा 28 व 29 जनवरी को राज्य सरकार की रोड सेफ्टी सेल, दिल्ली एम्स, डब्ल्यूएचओ कॉलेबरेटिव सेंटर नई दिल्ली और जेपीएन अपेक्स ट्रोमा सेंटर नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान हुई सेमिनार में की गई थी। सड़क हादसों में मौतों में कमी लाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। डब्ल्यूएचओ ट्रोमा सेंटर में चिकित्सकीय व्यवस्था में बेहतर सुधार के लिए प्रयत्नशील है।

अति गंभीर रोगियों और सामान्य मरीजों के लिए अलग-अलग व्यवस्था होगी। 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के लिए ट्रोम सेंटर में दो माह में बहुत कुछ बदलाव होगा। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ट्रोमा सेंटर की अलग पहचान के लिए यहां व्यवस्था बदली जा रही है। मरीजों को काउंसलिंग से लेकर इलाज तक की पूरी सुविधा मुहैया कराई जाएगी। ट्रोमा सेंटर के कर्मचारियों की पहचान आसानी से हो, इसके लिए नया ड्रेस कोड तैयार किया जा रहा है। ड्रेस का रंग फाइनल कर लिया गया है। नर्सिंग कर्मचारियों एवं रेजीडेंट चिकित्सकों के लिए नीले रंग की ड्रेस होगी। रेजीडेंट चिकित्सक डिस्पोजल एप्रीन भी पहनेंगे। दो माह में यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। ट्रोमा सेंटर के 40 स्टाफ नर्स, 20 रेजीडेंट चिकित्सक एवं 20 अन्य कर्मचारियों को नई ड्रेस मिलेगी।

ट्रोमा सेंटर में उपचार के लिए पहुंचे मरीज।

अस्पताल समय के बाद करेंगे औचक निरीक्षण

नर्सिंगकर्मियों एवं स्टाफ के अस्पताल में देरी से आने, अनुपस्थित रहने, ड्रेस में नहीं होने के मसले को गंभीरता से लिया जाएगा। ट्रोमा सेंटर में भी व्यवस्था की जांच करने के लिए डॉ. बीएल चौपड़ा के नेतृत्व में डॉ. भूपेन्द्र शर्मा, डॉ. एलके कपिल एवं डॉ. महेन्द्र जलथनिया की टीम बनाई गई है। जो सप्ताह में दो बार आपातकालीन विभाग का औचक निरीक्षण करेगी और रिपोर्ट सेंटर प्रभारी डॉ. बीएल खजोटिया को देगी।

तीन वर्गों में होगी चिकित्सा

रेड एरिया : इसमें अति गंभीर रोगियों को रखा जाएगा। इनके जीवन को बचाने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। ऐसे मरीजों को अन्य मरीजों की अपेक्षा अधिक प्राथमिकता दी जाएगी। इनमें रखे जाने वाले मरीजों को ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, सक्षम एवं सीपीआर की जरूरत होगी।

यलो एरिया : इसमें ऐसे मरीज को रखा जाएगा जो गंभीर तो होंगे, लेकिन जिनकी जान को खतरा नहीं होगा और स्थिति बिगड़ने की आशंका रहेगी।

ग्रीन एरिया : इस क्षेत्र में सामान्य चोटग्रस्त व्यक्तियों को रखा जाएगा, जिनके सामान्य फ्रेक्चर, ड्रेसिंग व टांके लगाने होंगे और जान का खतरा नहीं होगा।

अलग पहचान होगी

ट्रोमा सेंटर की अलग ही पहचान होगी। यहां काउंसलिंग से इलाज तक की सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है। ट्रोमा सेंटर में इलाज की त्रिस्तरीय व्यवस्था करेंगे। सुरक्षा बंदोबस्त मजबूत करेंगे।

डॉ. बीएल खजोटिया, विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी, ट्रोमा सेंटर

125 ड्रेस बनवाई जाएंगी

125 से अधिक नीले रंग की ड्रेस तैयार करवाई जा रही है। 40 स्टाफ नर्स के लिए 80 ड्रेस, 20 रेजीडेंट्स और 20 अन्य स्टाफ को दी जाएंगी। रेजीडेंट चिकित्सक व नर्सिंगकर्मी डिस्पोजल एप्रीन भी पहनेंगे, ताकि मरीज का इलाज करते समय रक्त आदि लगने पर बार-बार ड्रेस बदलनी नहीं पड़े। ट्रोमा सेंटर में इलाज की सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा।

डॉ. एलके कपिल, प्रभारी, ट्रोमा मैनेजमेंट एंड ट्राइज प्रोटोकॉल

World Health Organization
South East Asian Region
"Promulgation of Best Practices in Integration
of Emergency and Trauma Care

Road Safety Cell
Transport Department
Rajasthan
Workshop on Trauma Management and Triage Protocol
28th-29th January, 2018
Department of Orthopaedics
Sardar Patel Medical College, Bikaner

Road Safety Cell
Transport Department
Rajasthan
All India Institute of Medical Sciences New Delhi
Stakeholder's Workshop on Road Safety for Bikaner Division
29th January, 2018
Department of Orthopaedics
Sardar Patel Medical College, Bikaner
EXIT